SAMAGRA SHIKSHA- KERALA
FIRST TERM-END EVALUATION - 2023-24

A

Third Language **HINDI**

STD. VIII | **Time : 90 minutes** | **Score : 40**

निर्देश :

- पहला पंद्रह मिनट कूल ऑफ़ टाईम है। इस समय प्रश्नों का वाचन करें और उत्तर लिखने की तैयारी करें।
- वैकल्पिक प्रश्नों में से किसी एक का ही उत्तर लिखें।

सूचना : 'शाहंशाह अकबर को कौन सिखाएगा?' लोककथा का यह अंश पढ़ें और 1 से 3 तक के प्रश्नों के उत्तर लिखें।

> शाहंशाह अकबर गंभीर चर्चा में मग्न विद्वानों के एक समूह को देख रहे थे। वे बीरबल की ओर मुड़कर बोले, "बीरबल, मैं बहुत चतुर नहीं हूँ। बहुत-सी ऐसी चीज़ें हैं जिनके बारे में मैं नहीं जानता। मैं हर चीज़ को सीखना चाहता हूँ। कल से मेरी पढ़ाई शुरू हो, इसका इंतज़ाम करो।"

1. "बहुत-सी ऐसी चीज़ें हैं जिनके बारे में मैं नहीं जानता।" यह किसने कहा? 1

   (क) बीरबल ने। (ख) अकबर ने।

   (ग) विद्वान ने। (घ) बूढ़ी महिला ने।

2. 'गंभीर चर्चा' में विशेषण शब्द कौन-सा है? 1

3. वाक्य पिरामिड की पूर्ति करें। 2

   (कई चीज़ें, शाहंशाह)

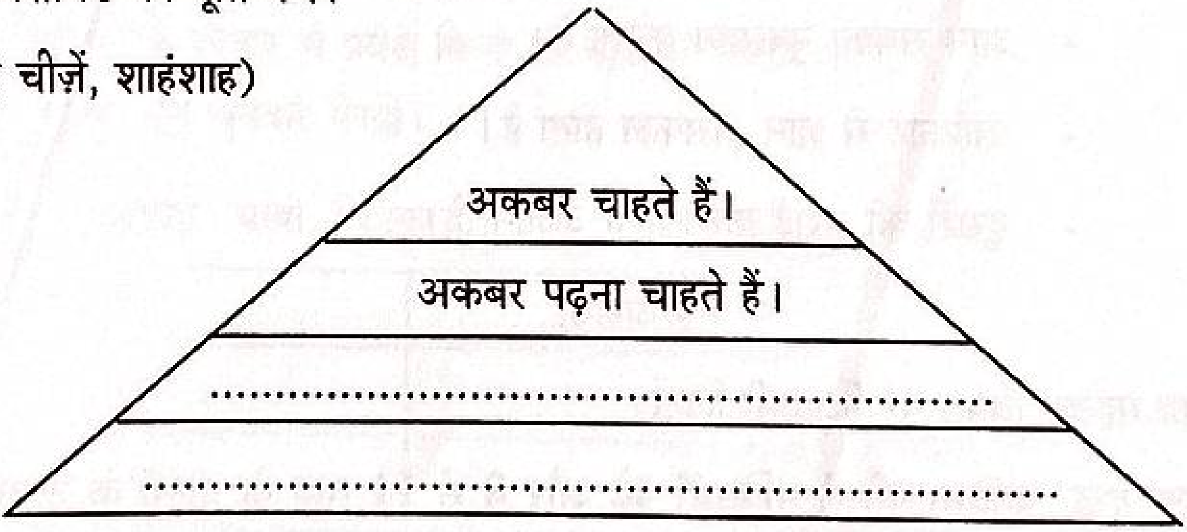

सूचना : 'ज्ञानमार्ग' एकांकी का यह अंश पढ़ें और 4 से 7 तक के प्रश्नों के उत्तर लिखें।

> राजकुमार 1 : गुरुजी हमारी जान बचाइए।
>
> गुरु : मुझे मालूम था कि तुम लोगों के अंदर अभी अहंकार बहुत है और तुम अपने ज्ञान का नुकसान भी कर सकते हो। इसलिए मैं तुम लोगों के पीछे-पीछे आ रहा था।

4. यहाँ राजकुमारों के पीछे-पीछे कौन आ रहा था? 1

(क) शेर (ख) हाथी

(ग) गुरुजी (घ) राजा

5. 'मुझे' में निहित सर्वनाम क्या है? 1

(क) हम (ख) यह

(ग) वह (घ) मैं

6. कोष्ठक से उचित वाक्यांश चुनकर वाक्यों की पूर्ति करें। 4

(भरा हुआ है, नुकसान करता है, गुरुजी आए, संकट में है)

- राजकुमारों की जान ....।
- राजकुमारों के अंदर अहंकार ....।
- अहंकार ज्ञान का ....।
- राजकुमारों की जान बचाने ....।

7. **चार सही प्रस्ताव** चुनकर लिखें। 4

- हरेक में कुछ न कुछ ज्ञान है।
- ज्ञान बाहरी दिखावा है।
- ज्ञान सबकी भलाई के लिए है।
- ज्ञान सबका नुकसान करता है।
- अहंकार से ज्ञान असफल होता है।
- दूसरों की बुराई करनेवाला अज्ञानी है।

अथवा

'ज्ञान का महत्व' विषय पर **टिप्पणी** लिखें।

सूचना : 'सुख-दुख' कविता की ये पंक्तियाँ पढ़ें और 8 से 11 तक के प्रश्नों के उत्तर लिखें।

सुख-दुख के मधुर मिलन से
यह जीवन हो परिपूरन;
फिर घन में ओझल हो शशि
फिर शशि से ओझल हो घन!

8. 'अप्रत्यक्ष' का समानार्थी शब्द चुनकर लिखें। 1

(क) मिलन (ख) मधुर (ग) ओझल (घ) परिपूरन

9. सुख-दुख के मधुर मिलन से क्या परिपूर्ण हो जाता है? 1

10. घन और शशि किनके प्रतीक हैं? 2

11. कवि और कविता का परिचय देते हुए कवितांश का आशय लिखें। 4

सूचना : 'शाहंशाह अकबर को कौन सिखाएगा?' लोककथा का यह अंश पढ़ें और 12 से 15 तक के प्रश्नों के उत्तर लिखें।

> अगली सुबह जब शाहंशाह ने दरबार में प्रवेश किया तो उनका स्वागत एक विचित्र दृश्य ने किया। दरबार तरह-तरह के लोगों से भरा हुआ था। वहाँ बच्चे और बुजुर्ग थे, गृहिणियाँ और धोबिनें थीं, किसान और कचरा बीननेवाले थे, दुकानदार और लिपिक थे, मूर्ख और ज्ञानी थे। और भी न जाने कितनी तरह के लोग थे।

12. दरबार का विचित्र दृश्य क्या था? 1

(क) दरबार फूलों से भरा था।

(ख) दरबार जानवरों से भरा था।

(ग) दरबार लोगों से भरा था।

(घ) दरबार फलों से भरा था।

13. नमूने के अनुसार लिखें। 1

वह दरबार में आता है।	वह दरबार में प्रवेश करता है।
मैं दरबार में आता हूँ।	मैं ....।

14. शाहंशाह अकबर ने दरबार में प्रवेश किया तो वहाँ कौन-कौन थे? 2

15. पेशे के अनुसार नाम चुनकर लिखें। 4

(किसान, दुकानदार, धोबी, चित्रकार)

चित्र खींचनेवाला	....
खेती करनेवाला	....
कपड़ा धोनेवाला	....
सामान बेचनेवाला	....

अथवा

इस प्रसंग पर अकबर की **डायरी** लिखें।

सूचना : 'सुख-दुख' कविता की ये पंक्तियाँ पढ़ें, प्रश्न 16 और 17 के उत्तर लिखें।

> अविरत दुख है उत्पीड़न,
> अविरत सुख भी उत्पीड़न;
> दुख-सुख की निशा-दिवा में
> सोता-जागता जग-जीवन!

16. 'सुख-दुख' किसकी कविता है? 1

(क) असगर वज़ाहत की (ख) पी. मधुसूदनन की

(ग) सुमित्रानंदन पंत की (घ) सुभद्राकुमारी चौहान की

17. समान आर्थवाले शब्दों का मिलान करें। 4

अविरत	रात
उत्पीड़न	दिन
निशा	निरंतर
दिवा	पीड़ा

सूचना : 'पोल खुल गया...!' कार्टून का यह अंश पढ़ें, प्रश्न 18 और 19 के उत्तर लिखें।

> तुमने सर पर पगड़ी जो बाँधी है। सोचा कि तुम विद्वान हो।

18. पगड़ीवाले को देखकर दूसरा आदमी क्या सोचता है? 1

(क) वह मूर्ख है। (ख) वह विद्वान है।

(ग) वह गरीब है। (घ) वह आलसी है।

19. उचित संवाद चुनकर बातचीत की पूर्ति करें। 4

- मुझे पढ़ना नहीं आता।
- क्या यह पत्र पढ़कर सुनाओगे?
- तो यह पगड़ी तुम रख लो और खुद पढ़ो।
- तुमने पगड़ी जो बाँधी है! सोचा कि तुम विद्वान हो।

आदमी : ....।

पगड़ीवाला : ....।

आदमी : ....।

पगड़ीवाला : ....।